पत्राङ्क

दिनाङ्क ....

(9)

प्र०-पत्रांक 5.1.3-9F

पाण्डुलिपि-प्रशिक्षण

(9)

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के अनुसन्धान संस्थान के तत्त्वावधान में प्रतिवर्ष विद्यावारिधि पाठ्यक्रमों के क्रम में पाण्डुलिपि प्रशिक्षण कराया जाता है, जिस में पाण्डुलिपि विशेषज्ञ प्रो० गङ्गाधर पण्डा एवं प्रो० प्रभुनाथ द्विवेदी आदि विद्यानिष्णात विद्वानों का व्याख्यान हुआ है।

यह प्रशिक्षण विशेषरूप से- 01/09/2015 से 05-03-2016, एवं 02-04-2018 से 07-10-2018 तक सम्पन्न हुआ है।

प्रशिक्षण संयोजक
प्रो० हरि प्रसाद अधिकारी
निदेशक
अनुसन्धान संस्थान
सं० सं० वि० वि० वाराणसी।

(signature) 2021

Scanned with CamScanner

9 5.1.3

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्रांक : कु.स. 6714 /2023

दिनांक : 04.06.2023

कार्यालय-ज्ञाप

पाण्डुलिपियों की सूचीकरण एवं संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर स्थित बौद्ध सभागार कक्ष में दिनांक 05.06.2023 से 07.06.2023 तक होगा।

उक्त कार्यशाला में दिनांक 05.06.2023 को पूर्वाह्न 11:00 बजे, प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रसेन्टेशन प्रस्तुतिकरण में सहयोग प्रदान करने हेतु श्री मोहित मिश्र, प्रोग्रामर को नामित किया जाता है।

इस पर कुलपति महोदय की स्वीकृति प्राप्त है।

04/6/2023

कुलसचिव

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. सचिव कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. पुस्तकालयाध्यक्ष।
3. विनयाधिकारी।
4. श्री मोहित मिश्र, प्रोग्रामर को इस आशय से कि उक्त कार्यशाला में सहयोग प्रदान करें।
5. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
6. सम्बद्ध पत्रावली।

कुलसचिव

Scanned with CamScanner

सरस्वती भवन पुस्तकालय

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी के सरस्वती भवन पुस्तकालय में पाण्डुलिपियों के संरक्षण एवं सूचीकरण से सम्बन्धित आयोजित कार्यशाला दिनांक 05 जून से 07 जून 2023 के प्रतिभागियों की उपस्थिति का विवरण –

1–राजेश कुमार विश्वकर्मा पुत्र हरिहर प्रसाद विश्वकर्मा

2–रामकुमार यादव पुत्र बोरड यादव

3–इन्द्रजीत यादव पुत्र फूलचन्द यादव

4–शिवानी सिंह पुत्री राजेन्द्र कुमार सिंह

5–गंगा मौर्या पत्नी आनन्द कुमार

6–दिव्या त्रिपाठी पुत्री अजयमणि त्रिपाठी

7–सत्यप्रकाश सक्सेना पुत्र मनबोध राम

8–परमात्मा मिश्र पुत्र रामकृपा मिश्र

9– परी गौतम पुत्री स्व0 महेन्द्र कुमार

10–डॉ सन्तोष कुमार ठाकुर पुत्र दिगम्बर ठाकुर

11–वन्दना गुप्ता पुत्री राजेश कुमार गुप्ता

12–मुस्कान गौतम पुत्री स्व0 महेन्द्र प्रसाद

13– रूक्मिणी कुमारी पुत्री भोला प्रसाद

14– ममता कुमारी पुत्री रामदयाल महतो

15–प्रियंका सिंह पुत्री राजेश कुमार सिंह

Scanned with CamScanner

16– रिषु सिंह पुत्री सुरेश सिंह

17–सूरज कुमार द्विवेदी पुत्र उपेन्द्रनाथ द्विवेदी

18–रूचि कुमारी पुत्री सुभाष चन्द्र

19– जया प्रजापति पुत्री राजकुमार प्रजापति

20– अजय कुमार पुत्र सुभाष चन्द्र

21–पुजा यादव पुत्री राजेश यादव

22–प्रभुनारायण सोनी पुत्र गौरीशंकर सेठ

23–शुभम मिश्रा पुत्र महेन्द्र मिश्रा

24– आशीष कुमार पुत्र विजयी राम

25–अनमोल कुमार पुत्र विजय कुमार दास

26– प्रतीक रंजन पुत्र अशोक कुमार

27–अजय कुमार

28 –बेबी कुशवाहा पुत्र हरे राम

29– सतीश गुप्ता पुत्र विजय कुमार गुप्ता

30– कृष्णा सोनकर पुत्र स्व0 लालजी सोनकर

31–योगेन्द्र कुमार

32– संदीप वर्मा पुत्र विरेन्द्र वर्मा

33–प्रकाश विश्वकर्मा पुत्र गनेश प्रसाद

34– मोहित शर्मा पुत्र सुरेश कुमार

35–अविनाश कुमार पुत्र अरूण कुमार

Scanned with CamScanner

36–रमेश कुमार गोंड पुत्र सिया राम गोंड

37– प्रमोद कुमार पटेल

38– अमितेश मिश्रा पुत्र स्व0 राधाकृष्ण मिश्रा

39– राधिका सिंह पुत्री रामबली सिंह

40–दिनेश कुमार सिंह पुत्र रामबली सिंह

41– विजेता यादव पुत्री बच्चन लाल यादव

42– एकता यादव पुत्री बच्चन लाल यादव

43–शिवानी तिवारी पुत्री दिनेश कुमार तिवारी

44– सत्यम त्रिपाठी पुत्र वेंकटेश त्रिपाठी

45– अराधना सिंह पुत्री ईश्वर सिंह

46– सरिता गौंड पुत्री अवधेश कुमार

47– अवनीश सिंह पुत्र सुरेन्द्र सिंह

Scanned with CamScanner

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय,वाराणसी
सरस्वती भवन

पाण्डुलिपियाँ

अवलोकनार्थ।

सं. ९०२८

||२६|| मा नन्दिर्वाणिजं पनस्युर्योदश ||५|| अपां तें द्रोम्मी स्वयमेव देवनानाथ ट्रूत्रिंशन्न ३ दे पहि सिओम || ||
रश्मिरसि क्षयाय त्वा क्षयं जिन्व प्रेतिरसि धर्मणे त्वा धर्मं जिन्वान्वितिरसि दिवे त्वा दिवं जिन्व संधिरस्यन्तरिक्षा
य त्वान्तरिक्षं जिन्व प्रतिधिरसि पृथिव्यै त्वा पृथिवीं जिन्व विष्टंभोसि वृष्ट्यै त्वा वृष्टिं जिन्व प्रवास्यह्ने त्वाहर्जिन्वा
नुवासि रात्र्यै त्वा रात्रिं जिन्वोशिगसि ||१|| वसुभ्यस्त्वा वसूञ्जिन्व प्रकेतोसि रुद्रेभ्यस्त्वा रुद्राञ्जिन्व सुदीतिरस्या
स्यं ।५ दित्येभ्यस्त्वादित्याञ्जिन्वौजोसि पितृभ्यस्त्वा पितॄञ्जिन्व तन्तुरसि प्रजाभ्यस्त्वा प्रजा जिन्व पृतनाषाडसि पशु
भ्यस्त्वा पशूञ्जिन्व रेवदस्योषधीभ्यस्त्वौषधीर्जिन्वाभिजिदसि युक्तग्रावेन्द्राय त्वेन्द्रं जिन्वाधिपतिरसि प्रा
णाय त्वा ||२|| प्राणं जिन्व यन्तास्यपानाय त्वापानं जिन्व संसर्पोसि चक्षुषे त्वा चक्षुर्जिन्व वयोधा असि श्रोत्राय त्वा श्रोत्रं जिन्व व
त्रिवृदसि प्रवृदसि संवृदसि विवृदसि संरोहोसि प्ररोहोस्यनुरोहोसि वसुकोसि वेषश्रिरसि वस्यष्टिरसि ||३||
३. रोहो [illegible] वाभिशोसि प्राणा [illegible] चेत्वा [illegible] ||१|| राज्ञ्यसि प्राची दिग्वसवस्ते देवा अधिपतयोग्निर्हेतीनां प्रतिधर्ता त्रिवृ ||२६||
[illegible] त्वा स्तोमः पृथिव्यां श्रयत्वाज्यमुक्थमव्यथायै स्तभ्नातु रथन्तरं साम प्रतिष्ठित्यै विराडसि दक्षिणा दिग् ||राजो||

सं२

श्री [illegible]